: संयोजकों के सम्पर्क सूत्र :

◆ **डॉ. वी.के. शुक्ल,** सदस्य (अकादमिक)

म.प्र. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, भोपाल

दूरभाष (नि.) : 0755 - 2726872

मोबाईल : 093031 - 32889

ई-मेल : vksayog@gmail.com

◆ **डॉ. मुकेश जैन,** विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी

म.प्र. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, भोपाल

दूरभाष(नि.) : 0755-2492242

मोबाईल नम्बर : 093001-00451

ई-मेल : drmukeshjain60@gmail.com
drmukeshjain@yahoo.co.in

विशेष आग्रह

- प्रतिभागियों से आग्रह है **म.प्र. में अभियांत्रिकी शिक्षा : चुनौतियाँ एवं सम्भावनाएँ** विषय पर अपने आलेख एवं व्यावहारिक सुझाव संयोजकों के ई-मेल पर दिनांक 19.9.2014 (शुक्रवार) तक आवश्यक रुप से उपलब्ध कराने का कष्ट करें।
- आलेख, कृति देव (KrutiDev 010) या देव लाइस (DevLys010), **साइज :** 14-18 स्पेसिंग : 1.5 में हो।
- आलेख के साथ अपना पासपोर्ट साइज फोटो भी उपलब्ध करायें।
- पंजीयन फार्म भरकर पृथक से प्रेषित करें।

पंजीयन फार्म (Registration Form)

पंजीयन क्रमांक : ☐☐☐

Name : ..... | Mobile No :.....

Orgnisation : ..... | Email :.....

Post Held : ..... | Address :.....

Topic of Discussion : ..... | .....

..... | .....

..... | .....

..... | *Signature*

मध्यप्रदेश में अभियांत्रिकी शिक्षा :
चुनौतियाँ एवं सम्भावनाएँ

परिचर्चा

दिनांक : 29 सितम्बर, 2014 (सोमवार)

समय : प्रातः 10.00 बजे

आयोजन स्थल

कांफ्रेंस हॉल, म.प्र. विज्ञान एवं तकनीकी परिषद् (मैपकास्ट),
साइंस हिल्स, नेहरू नगर,
भोपाल (म.प्र.)

: आयोजक :

म. प्र. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग

वाल्मी रोड, भोपाल-462016

फोन नम्बर : 0755-2490322

ई-मेल : sec.mppurc@gmail.com

: प्राक्कथन :

मध्यप्रदेश को देश की हृदय स्थली कहा जाता है। यह प्रदेश प्राकृतिक संपदा से परिपूर्ण होने के साथ-साथ कई सांस्कृतिक धरोहरों को भी संजोये हुए है। देश के अन्य प्रांतो से हवाई, रेल एवं सड़क मार्ग से जुड़े होने के कारण यह प्रदेश भौगोलिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रदेश सरकार की उदार नीतियों, भौगोलिक स्थिति एवं प्राकृतिक सम्पदा के कारण यह प्रदेश शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में तेजी से उन्नति कर रहा है। कुछ वर्षों पहले तक प्रदेश के युवाओं को शिक्षा के लिए अन्य प्रदेशों में जाना पड़ता था जबकि उन्हें आज प्रदेश में ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के सुनहरे अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

यद्यपि, शिक्षा में निजी संस्थानों की भागीदारी बढ़ने से आज प्रदेश के ही नहीं बल्कि अन्य प्रदेशों के भी युवा शिक्षा प्राप्त करने हेतु प्रदेश की ओर आकर्षित हो रहे हैं। किन्तु, प्रदेश में शिक्षा के उत्तम संसाधन उपलब्ध होने के बाद भी इस वर्ष तकनीकी शिक्षा के संस्थानों में छात्रों के प्रवेश की स्थिति चिंताजनक है।

इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुये मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग द्वारा **'मध्यप्रदेश में अभियांत्रिकी शिक्षा : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ'** विषय पर दिनांक 29 सितम्बर, 2014, (सोमवार) को एक दिवसीय परिचर्चा का आयोजन किया जा रहा है।

परिचर्चा का उद्देश्य तकनीकी शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, प्रवेश एवं शुल्क विनियामक समिति सहित प्रदेश में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम संचालित करने वाले निजी विश्वविद्यालयों तथा अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों को उभरती हुई नवीन चुनौतियों का सामना करने हेतु उपलब्ध विकल्पों पर विचार-विमर्श कर ठोस नीतिगत सुझाव प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करना है ताकि प्रदेश में अभियांत्रिकी शिक्षा के लिए नवीन संभावनाएँ एवं अवसरों की तलाश की जा सके।

: आमंत्रण :

माननीय मंत्री, उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा **श्री उमाशंकरजी गुप्ता** मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे।

आयोग की ओर से आयोजित इस परिचर्चा में आप सादर आमंत्रित हैं।

डॉ. अखिलेश पाण्डेय
चेयरमैन

म. प्र. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग
वाल्मी रोड, भोपाल-462016
फोन नम्बर : 0755-2490322
ई-मेल : sec.mppurc@gmail.com